

81

✓

15/2

आज न्यायालय में पत्रावली ला.क.स.म.न
कारण इस पत्रावली पर सुनवाई नहीं हो पाई है
पत्रावली पूर्ववत् दिनांक 13/7/24 का पत्रावली है।

13/2

~~पत्रावली पेशा वकील ग्राही उपानव कीलवादी
की कौल ल ग्राह विमस कृषि मारी शाप
जारी प्रमाणपत्र एकल हलातेदा विमस लमिह
प्रणय कतिह जागे राजपु न निवासी
ग्राह विनीद (पुई) नद. सांगी ७ का शाप पत्र
प्रारुन किया जाय लका कारी के टके
कं काउ को डिक्की किले जाने की प्रार्थना की।~~

~~मी ग्राह पत्रावली का डा हना ल से
इकलोकन किया जाय पत्रावली के
उपलक्ष्य दानावेजात, राजाव डूकाई,
इकलका कड, राजाव कड, मनदीन प्रस्थान
पत्र, जेन कड, माकाशाह कड कड
दानावेजात हलातेदा का शाप पत्र
का इकलोकन काले पा डक २~~

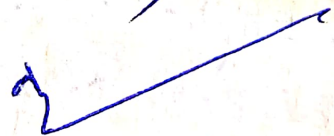


हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

~~वै क्राफ्टा (काद स्वीकारिका) जाना इन्फि
प्रतीत होने से काही का काद स्वीकारिका
जाना है। विलुप्त निराक्रिय प्रक से लि (काफ)
जाक इग्नोराना विना जाना~~

~~पुनानी केवल शुक्राकी जाक काद
तकमील दा लिख कपु (मै)~~



निर्णय बइजलास सुश्री अंजना सहस्रवत (आर.ए.एस.) उपखण्ड अधिकारी सांगोद
जिला कोटा

तारीख दायरा 17.03.2021

प्रकरण संख्या : 39/2021

उनवान

रघुवीर सिंह पुत्र केसर सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम विनोदखुर्द तहसील सांगोद हाल निवासी
रंगबाडी कोटा जिला कोटा राजस्थान। -वादी

बनाम

दी स्टेट ऑफ राजस्थान जरिये तहसीलदार सांगोद तहसील सांगोद जिला कोटा। - प्रतिवादी

दावा अन्तर्गत धारा 88, 89 आर. टी. एक्ट 1955

उपस्थित :-

श्री बहादुर सिंह (वकील वादी)

दिनांक :- 13.07.2021

श्री सरकार पैरोकार

संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता वाद इस आशय का प्रस्तुत किया है कि वादी के संयुक्त खाते व कब्जे काशत की आराजी माल ग्राम विनोदखुर्द पटवार हलका विनोदखुर्द तहसील सांगोद जिला कोटा में खाता सं० नई 89 कुल 7 किता की 5.28 है० आराजीयात स्थित है, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :-

--: विवरण आराजी :-

माल ग्राम	खाता सं०	खसरा नं०	रकबा हैक्टर
विनोदखुर्द	89	138	0.81
		199	0.36

207	2.00
399	0.19
57 / 596	0.24
60	1.00
61	0.68

कुल किता 7 की कुल 5.28 है0 आराजीयात में वादी का 7/180 वां हिस्सा निहित है।

वाद पत्र में वर्णित आराजीयात के राजस्व रिकार्ड में वादी का बोलता नाम नारायण सिंह पुत्र केसर सिंह अंकित है। उक्त नाम वादी का घर का नाम है तथा बचपन में वादी को नारायण सिंह के नाम से पुकारते थे। वादी का नाम बचपन में बोलचाल की भाषा में घर परिवार के लोग नारायण सिंह बोलते थे, जिसके कारण वाद पत्र में वर्णित आराजीयात के राजस्व रिकार्ड में वादी का नाम नारायण सिंह पुत्र केसर सिंह अंकित हो गया है, जिससे वादी को अपने हिस्से की आराजीयात पर विकास कार्य करवाने व कृषि ऋण आदि सुविधाएं प्राप्त करने में काफी परेशानी हो रही है तथा वादी द्वारा पटवारी हलका महोदय से उक्त बचपन के नाम को सही करने के लिए काफी निवेदन किया गया, लेकिन उनके द्वारा सक्षम न्यायालय से आदेश लाने के बाद ही गलत नाम को सही करने की कहकर मना कर दिया है, जिससे वादी के लिए आवश्यक हो गया है कि माननीय न्यायालय में उक्त उनवान का वाद प्रस्तुत करके वाद पत्र की मद नं0 1 में वर्णित आराजीयात में दर्ज बचपन के घर के नाम नारायण सिंह को दुरस्त करवाकर वाद पत्र में वर्णित आराजीयात के राजस्व रिकार्ड में दर्ज सही नाम के अनुसार दुरस्त करवाना आवश्यक हुआ है, जिसके लिए उक्त वाद माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

अतः वाद पत्र प्रस्तुत कर निवेदन है कि वादी के हक में व प्रतिवादी के विरुद्ध निम्न आशय की डिक्री सादिर पारित फरमायी जावें कि :-

वाद पत्र में वर्णित ग्राम विनोदखुर्द पटवार हलका विनोदखुर्द तहसील सांगोद जिला कोटा में खाता सं0 नई 89 के खसरा नं0 138, 199, 207, 399, 57/596, 60, 61 कुल 7 किता की 5.28 है0 आराजीयात के राजस्व रिकार्ड में दर्ज वादी के बचपन के नाम नारायण सिंह पुत्र केसर सिंह को दुरस्त किया जाकर वादी के प्रचलित नाम रघुवीर सिंह पुत्र केसर सिंह के हक में खातेदार की घोषणा की जाकर राजस्व रिकार्ड में दर्ज गलत नाम नारायण सिंह के स्थान पर रघुवीर सिंह दर्ज किये जाने की घोषणा की डिक्री पारित फरमायी जावें तथा उक्त घोषणा के अनुक्रम में इन्द्राज दुरस्त किया जाकर राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जाने के सादिर आदेश पारित फरमावें।

उक्त प्रकरण प्रस्तुत होने पर दावा दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी की तलबी की गई। वादी अधिवक्ता की ओर से ग्राम विकास अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र एवं सहखातेदार

हिम्मत सिंह पुत्र पदम सिंह जाति राजपूत निवासी ग्राम विनोदखुर्द तहसील सांगोद का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया तथा वादी के हक में वाद को डिकी किये जाने की प्रार्थना की।

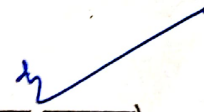
मेरे द्वारा पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया गया। पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात, राजस्व रेकार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, मामाशाह कार्ड, जन्मआधार कार्ड, ग्राम विकास अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र, सहखातेदार के शपथ पत्र इत्यादि का अवलोकन करने पर उक्त रेकार्ड के आधार पर वाद स्वीकार किया जाना उचित प्रतीत होने से वादीगण का वाद स्वीकार किया जाता है एवं आदेश दिये जाते हैं कि—

ग्राम विनोदखुर्द पटवार हलका विनोदखुर्द तहसील सांगोद जिला कोटा में खाता सं० नई 89 के खसरा नं० 138, 199, 207, 399, 57/596, 60, 61 कुल 7 किता की 5.28 है० आराजीयात के राजस्व रिकार्ड में दर्ज वादी के बचपन के नाम नारायण सिंह पुत्र केसर सिंह को दुरस्त किया जाकर वादी के प्रचलित नाम रघुवीर सिंह पुत्र केसर सिंह दर्ज करने की घोषणा की जाती है। उक्त घोषणा के अनुक्रम में इन्द्राज दुरस्त कर राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद किया जावे। विवादित आराजी पर रहन भार होने की स्थिति में बैंक चार्ज पृथम होने के कारण रहन भार यथावत रहेगा। वाद व्यय वादी स्वयं वहन करें। नियमानुसार डिकी पर्चा पृथक से जारी हो।



(अंजना सहरावत)
उपखण्ड अधिकारी सांगोद

निर्णय आज दिनांक 13.07.2021 को खुले न्यायालय में लिखाया जाकर सुनाया गया ।



(अंजना सहरावत)
उपखण्ड अधिकारी सांगोद